Roll. No. : .....

BASL (N)-101

First Semester Examination, 2024 (June)

[संस्कृत पद्यकाव्य एवं नीति साहित्य]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट– यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 19 = 38

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

(क) बालो वा यदि वा वृद्धो युवा वा गृहमागतः।
तस्य पूजा विधातव्या सर्वस्याऽभ्यागतो गुरूः।।

(ख) स हि गगनविहारी कल्मषध्वंसकारी,
दशशतकरधारी ज्योतिषां मध्यचारी।
विधुरपि विधियोगाद् ग्रस्यते राहुणाऽसौ,
लिखितमपि ललाटे प्रोज्झितुं क।।:समर्थः

(ग) नदीनां शस्त्रपाणीनां नखिनां श्रृगिणां तथा।
विश्वासो नैव कर्त्तव्य षु राजकुलेषु।।स्त्रीः

(घ) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं,
विद्याभोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरूः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता,
विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीनः पशुः

2. भर्तृहरि एवं उनकी पद्धतियों का वर्णन विस्तार से कीजिए।

3. महाकवि भारवि का काल निर्धारण करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नीति कथा की उत्पत्ति को बताते हुए हितोपदेश के महत्व का वर्णन कीजिए।

4. महाकवि अमरूक के नीतिसाहित्य में योगदान को लिखिए।

5. महाकाव्य का अर्थ एवं लक्षण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संस्कृत पद्यकाव्य के प्रमुख नीतिकवियों का परिचय दीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4×8=32**

1. मूषक परिव्राजक कथा का सारांश लिखिये।

2. वृद्धव्याघ्र लुब्धविप्रकथा का सारांश लिखते हुए प्राप्त शिक्षाएँ को बताइये।

3. सत्संगति के महत्व पर प्रकाश डालिए।

4. भर्तृहरि के शतकत्रय का परिचय लिखिए।

5. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः।
पूर्वापरौ तोयनिधी वगाह्य स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः।।

6. निम्नलिखित सूक्तियों के अर्थ लिखिए–

(क) उपमा कालिदासस्य

(ख) अतिथिर्यस्य भग्नाशो

(ग) असम्भवं हेममृगस्य जन्म

(घ) दीपनिर्वाणगन्धं च सुह्रद्वक्यमरून्धतीम्।
न जिघ्रन्ति न श्रृण्वन्ति न पश्यन्ति गतायुषः।।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) विवेकहीन पुरुष के पतन के कारण?

(ख) अज्ञ, विशेषज्ञ और मूर्ख के स्वभाव?

(ग) भर्तृहरि की कृतियों का परिचय?

8. निम्नलिखित महाकाव्यों पर टिप्पणी लिखिए–

(क) रघुवंश महाकाव्य

(ख) बुद्धचरितम् महाकाव्य

(ग) नैषधीयचरितम् महाकाव्य

(घ) कुमारसंभवम् महाकाव्य।

****